आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 158 मुद्रण तारीख » 1 फरवरी 2025 कुल पृष्ठ » 24

नारायण खालसा

कुम्भ शिविर – अन्नपूर्णा मार्ग, सेक्टर–18,प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

11 जनवरी से 26 फरवरी 2025

प्रयागराज त्रिवेणी तट कुम्भ क्षेत्र में भागवत् कथा श्रवण
निवास व भण्डारे की समुचित सुविधाओं के साथ
संस्थान परिवार आपश्री की सेवा में... तत्पर

2025 महाकुम्भ प्रयागराज

अमृत स्नान के आनन्द की तिथियां

मकर संक्रांति	मौनी अमावस्या	बसंत पंचमी	माघी पूर्णिमा	महा शिवरात्रि
14 जनवरी 2025	29 जनवरी 2025	03 फरवरी 2025	12 फरवरी 2025	26 फरवरी 2025

निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
प. पू. कैलाश चन्द्र अग्रवाल जी महाराज
संस्थापक चेयरमैन,नारायण सेवा संस्थान,उदयपुर

₹5000

सहयोग करें

Bank Name	:	State Bank of India
Account Name	:	Narayan Seva Sansthan
Account Number	:	31505501196
IFSC Code	:	SBIN0011406
Branch	:	Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

+91 294 662 2222 | +91 702350999

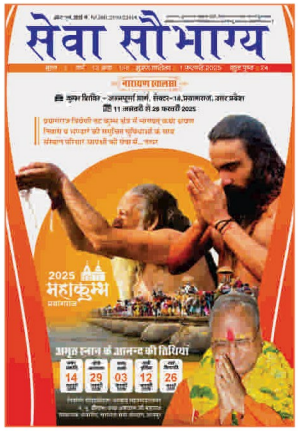

सेवा सौभाग्य

मुद्रण तारीख » 1 फरवरी 2025
कुल पृष्ठ » 24

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 158

सम्पादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

सम्पर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva
Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

483, 'सेवाधाम' सेवा नगर,
हिरण मगरी, सेक्टर-4,
उदयपुर (राज.) 313002, भारत
फोन नं. +91-294-6622222,
वाट्सऐप: +91-7023509999
Web www.spdtrust.org
E-mail info@spdtrust.org

Seva Soubhagya Print Date 1 February, 2025 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

CONTENTS

इस माह में

महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
सम्मानित पाठक बन्धुओं के लिए

परिवार के पोषक बनेंगे अकरम

व्हाट्सअप ग्रुप की दोस्ती से सात फेरे

दूसरों के कष्ट सहेजना ही सेवा

228 दिव्यांगजन को लगे कृत्रिम अंग

अन्तर्राष्ट्रीय अवॉर्ड -2024

विश्वस्तरीय सम्मेलन

आत्मा का स्वभाव परमार्थ

किसी प्राणी को संकट से उबारने, रोगी-पीड़ित की सेवा-सुश्रुषा करने या भूखे को भोजन कराने आदि कार्यों से मनुष्य की आत्मा की पीड़ा दूर होकर उसके अन्तःकरण को शान्ति और सन्तोष का अनुभव होता है।

परोपकार से आत्मा को असीम सन्तोष और तृप्ति का अनुभव होता है। चाहे कोई ईश्वर की सत्ता को माने न माने लेकिन वह परोपकार के रास्ते से हट नहीं सकता, क्योकि दूसरों का भला सोचना मनुष्य की आत्मा का स्वभाव है। ईश्वर की भक्ति और साधना का अर्थ ही है - प्राणिमात्र के प्रति प्रेम और करूणा की अभिव्यक्ति। मानव के भीतर स्थित ईश्वर से प्रेम का एक मात्र माध्यम यही हो सकता है कि प्राणि मात्र के दुःख को दूर करने और उन्हें सुखी बनाने के लिए अपने से जो कुछ बन सके, तत्परता के साथ करें। परोपकार एक व्यापक शब्द है। सेवा, समर्पण, प्रेम, सहृदयता, कष्ट सहिष्णुता आदि इसके प्रमुख अंग हैं। मानव में ईश्वर प्रदत्त यह स्वाभाविक गुण है कि दूसरे प्राणी को कष्ट में देखकर उसके हृदय को पीड़ा का अनुभव होता है और वह उसकी सेवा के लिए सचेष्ठ हो जाता है। दरअसल किसी प्राणी को संकट से उबारने, रोगी-पीड़ित की सेवा-सुश्रुषा करने या भूखे को भोजन कराने आदि कार्यों से मनुष्य की आत्मा की पीड़ा दूर होकर उसके अन्तःकरण को शान्ति और सन्तोष का अनुभव होता है। परोपकारी को ही सज्जन अथवा संत कहा जाता है, क्योंकि इनका सहज स्वभाव होता है कि ये दूसरे को दुःखी नहीं देख सकते और उसकी सहायता के लिए आगे बढ़ने से नहीं रूकते।

हममें से हर व्यक्ति समाज का ऋणी है। समाज से ही हमने पोषण पाया है और अपने व्यक्तित्व का निर्माण किया है। तो हमारा भी कर्तव्य है कि उस ऋण को चुकाने के लिए प्रयत्नशील रहें। मनुष्य का आंकलन ही उसके परोपकारी कार्यों के आधार पर होता है, न कि व्यक्तिगत सम्पदा और समृद्धि के अर्जन पर। जो मनुष्य दूसरों की पीड़ा के निवारण में जितना सहायक होता है, वह उतना ही सभ्य, सुशील, सुसंस्कृत एवं उच्च विचारों-वाला माना जाता है। यह बात दूसरी है कि हम अपने स्वार्थ के संकीर्ण दायरे में ही इतने जकड़े रहते हैं कि परहित के लिए अपना समय और अर्जित धन का थोड़ा सा अंश भी उसके लिए अर्पण नहीं कर पाते। यदि हमें सच्चे अर्थ में मानव बनना है तो इसी क्षण संकल्प लें कि दीन-दुःखियों, निराश्रितों, रोगियों-पीड़ितो, दिव्यांगजन की यथाशक्ति सेवा में रोजाना सचेष्ठ रहेंगे। समाज में ऐसे भी अनेक दुःखी हैं, जो प्रेम एवं सद्भावना के दो बोल सुनने को भी तरसते हैं। कम से कम हम उन्हें सान्त्वना देकर, उनसे प्रेम की दो मधुर बातें कर समय के जल्द ही करवट लेने का दिलासा तो दे ही सकते हैं।

तुलसीदास जी महाराज के इस आदर्श मंत्र को हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।'

सेवक प्रशांत भैया

खुद बनाएं अपना भाग्य

एक गांव में एक किसान रात-दिन कठिन परिश्रम करता परंतु उसके परिवार को कभी भरपेट भोजन नसीब नहीं हुआ। उसे उतना ही खाने को मिलता कि वह जी सके। परिवार की भूख को शांत न कर पाना जैसे उसकी नियती थी। वह समझ नहीं पा रहा था कि जिसके यहां वह मजदूरी कर भरपूर अनाज पैदा करता है, वह उसे मांगने पर भी खाने को इतना कम अनाज क्यों देता है? आज तक कभी उसका परिवार भरपेट भोजन नहीं कर सका। इसी बात से उसका उस व्यक्ति के यहां काम से जी उचट गया और सोचने लगा क्यों न अन्यत्र काम करे लेकिन वहां भी वही स्थिति रही। उसने सोचा क्यों न मृत्यु को ही गले लगा लें? यह सोच वह परिवार को लेकर निकल पड़ा। समाज और संसार से वैराग्य सा हो गया। चलते-चलते वह जंगल में पहुंच गया। वहां भी उसे खाने को कभी कभार फल मिल गए तो खा लिए अन्यथा भूखे ही सोना पड़ता। इस तरह सप्ताह भर बीत गया। भूखे रहने से आगे बढ़ने की हिम्मत भी न थी। सोचा, चलो भूखे रहते ही प्राण छूट जाएंगे और रोज-रोज के दुःख से छुटकारा मिल जाएगा। तभी उसे नारायण! नारायण!! नारायण!! का स्वर सुनाई पड़ा। देखा तो सामने महामुनि नारदजी चले आ रहे हैं। उसे अपनी समस्या का समाधान मिलता दिखाई दिया। उसकी आंखों में चमक आ गई। उसने अपनी वेदना नारद जी को बताई। नारद जी ने नेत्र बंदकर नारायण का स्मरण किया। कुछ क्षण बाद वे बोले तुमने पूर्व जन्म में इतना कम पुण्य किया कि इस जन्म में भुगतान करना पड़ रहा है। अच्छा खाते-कमाते भी तुमने भूखे-निराश्रितों की मदद नहीं की जिसकी वजह से इस जन्म में तुम्हारे भाग्य में केवल आजीवन पांच बोरी अनाज जितना ही भोजन लिखा है। जब कि उम्र इतनी लम्बी है कि उस अनाज का रोजाना क्रमशः हिस्सा जो मिलता है और वह इतना कम है कि भूख शांत नहीं हो सकती। किसान सोच में पड़ गया। उसने नारद जी के पैर पकड़ते हुए कहा कि उसके हिस्से का अब जितना भी अनाज शेष है, कृपया उसे एक मुश्त दिलवा दीजिए। नारद जी ने विधाता से प्रार्थना की और 'तथास्तु' कह कर अर्न्तध्यान हो गए। उसे एक साथ काफी अनाज मिल गया। अब उसके जीने का ढंग ही बदल गया। उसने एक ही दिन में उस अनाज को आस-पास बस्ती में गरीबों में बांट दिया लोगों में उसके इस पुण्य की चर्चा हुई और समर्थ किसान उसके यहां अनाज पहुंचाने लगे। अब उसने परिवार की सहायता से गरीबों, असहायों, निराश्रितों व निःशक्तजन के लिए अन्नक्षेत्र खोल दिया... रोजाना के भण्डारे में बड़ी संख्या में लोग भोजन करते। इधर उसके पास अन्न-वस्त्र आदि भी लोगों की सहायता से बढ़ते रहे। उसकी व परिवार की क्षुधा तो शांत हुई ही वह दूसरों की तृप्ति में भी आंनन्द अनुभव करने लगा। एक दिन नारद जी का उसके अन्नक्षेत्र में पुनः पदार्पण हुआ। उसने चरण स्पर्श करते हुए उनका आभार माना और पूछा कि 'प्रभू! आप तो कहते थे मेरे भाग्य में आजीवन पांच बोरी जितना ही अन्न था, तो अब यह बढ़ कैसे रहा है?'' नारदजी ने कहा 'तब तुम ही अपने भाग्य का लिखा खा रहे थे, अब तुमने अपने भाग्य का दूसरों को भी खिलाना शुरू किया है, अतएव तुम्हें उनके भाग्य का भी मिलना आरंभ हो गया है।

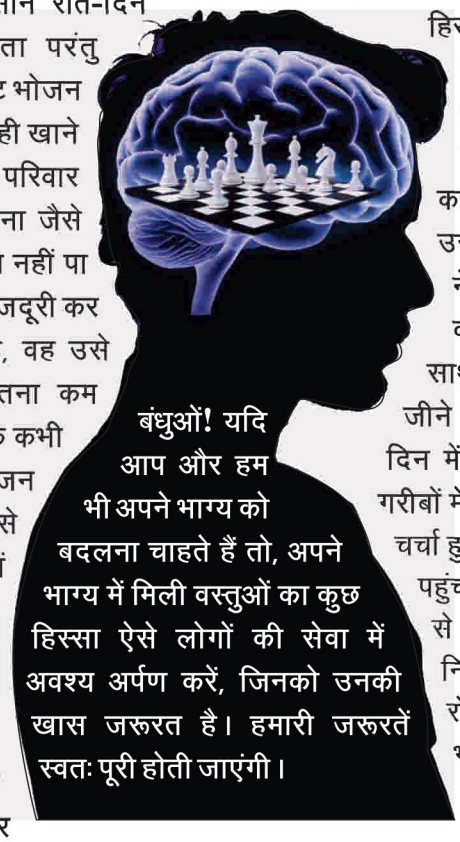

बंधुओं! यदि आप और हम भी अपने भाग्य को बदलना चाहते हैं तो, अपने भाग्य में मिली वस्तुओं का कुछ हिस्सा ऐसे लोगों की सेवा में अवश्य अर्पण करें, जिनको उनकी खास जरूरत है। हमारी जरूरतें स्वतः पूरी होती जाएंगी।

पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

प्रशिक्षण पूर्ण कर परिवार के पोषक बनेंगे अकरम

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के कस्बा दरगाह शरीफ निवासी अकरम हुसैन (28) साधारण परिवार से हैं। बचपन में ही दाहिने पैर में पोलियो के कारण दिव्यांग जीवन जीने को मजबूर हैं। माता-पिता और पांच भाई-बहिन के परिवार के पोषण का पूरा भार पिता अब्दुल भाई पर होने से समय पर सटीक इलाज भी सम्भव न हो सका। आठवीं तक जैसे-तैसे पढ़ाई कर स्कूल भी छोड़ना पड़ा। लेकिन साल 2015 में संस्थान द्वारा निःशुल्क दिव्यांगता सुधार सर्जरी की सोशल मीडिया पर जानकारी इनके नवजीवन की किरण बन गई।

5 दिसंबर 2015 को संस्थान में इनके पांव का सफल ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन के तीन माह बाद अकरम अपने पैरों पर खड़े होकर चलने में सक्षम हो गए। यह बदलाव न केवल उनके लिए बल्कि परिवार के लिए भी एक सुखद वरदान जैसा था।

अकरम की इच्छाशक्ति और आत्मनिर्भर बनने का ज़ज्बा उन्हें एक बार फिर संस्थान की ओर खींच लाया। नवंबर 2024 में त्रैमासिक मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण में प्रवेश लिया। यह प्रशिक्षण इनके लिए न केवल आत्मनिर्भर बनाने के नए अवसरों के द्वार खोलेगा, बल्कि परिवार पोषण में भी सहायक होगा।

कृत्रिम अंग ने हल कर दी उमंग की जन्मजात समस्या

उमंग अस्ताया (14) जन्मजात शारीरिक चुनौतियों के कारण जीवन की सामान्य गतिविधियों से वंचित रह गया। शाहजहांपुर के ग्राम टाण्डा खुर्द निवासी यह बालक जन्म से ही बांए हाथ और दाएं पांव की लंबाई छोटे होने की समस्या से जूझ रहा था। इस कमी के कारण वह एक पांव पर फुदक कर चलता था, स्कूल जाना और दैनिक कार्य उसके लिए बहुत कठिन हो गए। स्कूल को छोड़ना भी पड़ा। पिता दिनेश और माता ममता बाई ने मजदूरी करते हुए परिवार के भरण-पोषण के साथ उमंग की समस्या का हल ढूंढने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं मिला। इस बीच, गांव के सरपंच ने उन्हें नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए उन्हें उदयपुर स्थित संस्थान जाने की सलाह दी।

12 दिसंबर 2024 को संस्थान पहुँचने पर प्रॉस्थेटिक और ऑर्थोटिस्ट टीम ने विशेष जांच कर 13 दिसंबर को उमंग के पांव का नाप लिया और 22 दिसंबर को एक विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर उसे पहनाया। इस कृत्रिम पांव को पहनने के बाद उमंग के जीवन में बड़ा बदलाव आया। अब वह आसानी से चल-फिर सकता है और सामान्य लोगों की तरह जीवन यापन कर रहा है। उसने कहा, 'अब मुझे चलने-फिरने में किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं होती।' यह सुनकर उनके माता-पिता की आंखें खुशी से नम हो गई। उन्होंने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि उमंग को इस तरह चलने-फिरते हम देख पाएंगे। संस्थान ने हमारे बेटे को एक नई जिंदगी दी है। इसके लिए हम उसके आजीवन आभारी रहेंगे।

कृत्रिम पांव मिलने के बाद उमंग स्कूल तो जा ही रहा है, दोस्तों के साथ खेल-कूद में भी भाग लेता है। उसका सपना है कि वह बड़ा होकर शिक्षक बनेगा और समाज में सकारात्मक बदलाव की मुहिम में योगदान देगा।

प्रयागराज में संस्थान का दिव्यांग कल्याण शिविर

दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक समागम प्रयागराज महाकुंभ मेले के प्रथम अमृत स्नान में दिव्यांगजन कल्याणार्थ समर्पित आपके अपने इस सेवा संस्थान ने सेवा की डुबकी लगा विश्व शांति,मानवता की कुशलता व दिव्यांगों के सशक्त और सार्थक जीवन की कामना की। मकर- संक्रांति के दिन तीर्थराज प्रयागराज की पावन धरा त्रिवेणी संगम तट पर निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर पदमश्री अलंकृत कैलाश जी 'मानव' के आशीर्वाद से गाजे बाजे के साथ शोभा यात्रा के संग छड़ी लेकर उनके प्रखर शिष्य एवं सुपुत्र संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया और सैकड़ों साधकों तथा दानवीर भामाशाहों ने मोक्षदायी माँ गंगा, यमुना,सरस्वती की पावन धारा में अवगाहन कर अमृत स्नान किया। इससे पूर्व संतों की भव्य शोभयात्रा के दौरान संस्थान ने नारायण खालसा रथ से संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी जिस पर संत दर्शन अभिलाषी श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया।

मकर संक्रांति 14 जनवरी को प्रातः दूध, हलवा और तिल के लड्डू का मेलार्थियों को अल्पाहार वितरण किया गया। इसके बाद पूरी सब्जी, मिठाई, दाल-रोटी व खिचड़ी का भंडारा और कम्बल बाँटने का क्रम चला जिसका हजारों जरूरतमंद संत,पदयात्रियों और निर्धनों ने लाभ उठाया। इसी दौरान कई दिव्यांगों को निशुल्क ट्राई साइकिल, व्हील चेयर और कृत्रिम अंग वितरित किए गए। प्रयागराज में संस्थान की निशुल्क भोजन और आवास की व्यवस्था महाकुंभ पर्यन्त जारी रहेगी। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह संस्थान का 7वां कुंभ सेवा शिविर है। हर कुंभ में हम दिव्यांगों के हितार्थ प्रकल्पों के साथ आते हैं। सनातन संस्कृति के पुजारियों का हमें सहयोग मिल रहा है। जिसके चलते संस्थान 40 साल से दिन-रात नर सेवा नारायण सेवाएं संचालित कर पा

रहा है। दुर्घटना में अपाहिज भाई-बहिनों के लिए कुंभ में कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला और फिजियोथेरैपी केंद्र स्थापित किया गया है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण से ही विकसित भारत की यात्रा सफल बनेगी। ट्रस्टी-निदेशक देवेंद्र चौबीसा ने भी विचार व्यक्त किए।

विशाल दिव्यांग सेवा शिविर

करोड़ों लोगों की आस्था और श्रद्धा के महामेले प्रयागराज महाकुंभ 2025 में नारायण सेवा संस्थान का भव्य दिव्यांगजन सेवा शिविर 12 जनवरी से आरम्भ हुआ। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया की उपस्थिति में प्रभात वेला में हवन आदि कर जगत कल्याण की कामना की गई। इसके बाद निर्वाणी अनी अखाड़ा के श्रीमहंत मुरलीदास जी महाराज,खाकी, अनि अखाड़े के श्रीमहंत मोहनदास जी महाराज, दिगंबर अनि अखाड़े के श्रीमहंत रामकिशोर दास जी महाराज, निर्वाणी अनी के मंत्री महंत सत्यदेवदास जी महाराज,नंदराम जी महाराज,डॉ महेशदास जी, राजेशदास जी पहलवान, दिगंबर अनि के मंत्री वैष्णवदास जी महाराज और बलरामदास जी महाराज सहित सैकड़ों संतों के साथ धर्म ध्वजा पूजन का समारोह सम्पन्न हुआ। शिवरात्रि तक संगम तट पर चलने वाले इस पुण्यदायी कुंभ में संस्थान ने 80 हजार वर्ग फिट भूखंड पर सेवा शिविर स्थापित किया है। जिसमें प्रतिदिन भंडारा,दुर्घटना से दिव्यांग हुए लोगों के लिए कृत्रिम अंग कार्यशाला,वस्त्र दान, प्राथमिक चिकित्सा,अग्नि शमन और आवास सेवा जैसी कई सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवायी जा रही हैं।

दूसरों के कष्ट सहेजना ही सेवा

- 78वें जन्मदिवस पर गुरुदेव का हर्षातिरेक अभिनंदन

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री से अलंकृत निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर परम पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का 78 वां जन्म दिवस 2 जनवरी को हर्षोल्लास से मनाया गया। संस्थान साधक-साधिकाओं एवं शहर के गणमान्य सज्जनों ने उनका हर्षातिरेक अभिनंदन किया।

समारोह का प्रारंभ पूज्य गुरूदेव, गुरू माता कमला देवी जी, संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी, निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल, ट्रस्टी श्री जगदीश जी आर्य व देवेंद्र जी चौबीसा द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ।

सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि गुरूदेव उम्र के 78 वें सोपान पर भी ऐसी ऊर्जा से आप्लावित हैं, जो हमें सेवा पथ पर निरंतर आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है, उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन से संस्थान आज लाखों दिव्यांगों, असहायों,पीड़ितों और गरीबों के जीवन को सकारात्मक और सार्थक दिशा में अग्रसर कर धन्य हो सका।

गुरू माता ने गुरूदेव के स्वयं अभावों से जूझते हुए भी दीन-दुखियों की सेवा के संवेदना से परिपूर्ण प्रसंग सुनाए। उन्होंने कहा कि परिवार से पहले उन्होंने सदैव दुखी और पीड़ितों को प्राथमिकता दी।

निदेशक वंदना जी अग्रवाल, ट्रस्टी जगदीश जी आर्य एवं देवेंद्र जी चौबीसा ने समारोह को सम्बोधित करते हुए पिंडवाड़ा दुर्घटना, घर-घर से एक मुट्ठी आटा एकत्रीकरण, गुरूदेव द्वारा प्रतिदिन अस्पताल में रोगियों के परिजनों के लिए भोजन सेवा, चिट्ठी-पत्री लेखन, घिसटते हुए उनके पास आए विकलांगों की व्यथा-कथा सहित अनेक ऐसे प्रसंगों को साझा किया जो उपस्थित लोगों की आंखें नम कर गए।

पूज्य गुरूदेव ने अपने अभिनंदन के उत्तर में कहा कि नर को नारायण मान कर की गई सेवाओं का ही परिणाम है कि संस्थान आज देश-विदेश में सेवा का पर्याय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जीवन में अपने कष्टों को सहते हुए भी दूसरों के कष्टों सहेजना ही मानवता है। सेवा के पथ पर माता-पिता और गुरूओं द्वारा प्रदत्त संस्कारों से ही वे आगे बढ़ सके।

अब यह संस्थान आपका है, सेवा के सोपान पर विनम्रता के साथ आगे बढ़ते रहें। संचालन महिम जैन ने किया।

छोटी सी मुलाकात, जन्मों का बंधन

एक सड़क हादसे के जख्म ने छत्तीसगढ़, वायगांव निवासी सोमनाथ धृतलहरे (28) को बांए हाथ से दिव्यांग बना दिया। उन्हें 2018 में बाइक एक्सीडेंट के बाद बाएं हाथ में इंफेक्शन चलते हाथ कटवाना पड़ा। पिता नंदकुमार मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। सोशल मीडिया से जानकारी मिली तो उदयपुर संस्थान आये। साल 2023 में संस्थान से निःशुल्क त्रैमासिक मोबाईल रिपेयरिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने। अब गांव में मोबाईल रिपेयरिंग की खुद की दुकान चला परिवार को सहारा दे रहे हैं। एक साल पहले छत्तीसगढ़ में आयोजित 'दिव्यांग पैदल मार्च' में राखी से हुई छोटी सी मुलाकात दोनों को जनम-जनम के बंधन तक खींच लाई। सेंदरी जैजैपुर की राखी भी दोनों पांवों और दांयी आँख से जन्मजात दिव्यांग है। गांव के एक बच्चे का संस्थान में सफल ऑपरेशन हुआ उसने इन्हें संस्थान जाने की सलाह दी 2014 में संस्थान आने पर दोनों पैरों का सफल ऑपरेशन होने के बाद कैलिपर्स के सहारे आराम से चलने लगी।

"दोनों का संस्थान से लाभान्वित होना और अब दोनों की शादी भी संस्थान के 43वें निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह में 8 - 9 फरवरी को होना यह अपना सौभाग्य मानते हैं।"

कैथल में संस्थान का सेवा केंद्र

भूमिदानी दया जी गुप्ता व उद्यमी टी.एन गोयल जी ने किया लोकार्पण

सेवा परमो धर्म: के ध्येय को लेकर आगे बढ़ते आपके अपने नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में हरियाणा और पंजाब के दिव्यांगजनों का जीवन आसान बनाने की दृष्टि से कैथल (हरियाणा) में दया गुप्ता मानव मंदिर का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि उद्योगपति श्री त्रिलोकीनाथ जी गोयल और संस्थान के अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी व भूमि दानी डॉ. दया जी गुप्ता के गरिमामयी सानिध्य में 15 दिसम्बर को हजारों लोगों की उपस्थिति में लोकार्पण हुआ। इस मौके पर प्रमुख सहयोगी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री नरेश जी गोयल, अमित जी गुप्ता, सुरेश जी बंसल, जेपी जी गर्ग, अनिल जी गोयल,

बलजीत सिंह जी, महेंद्र जी सिंघल, अशोक जी गर्ग उमा जी गुप्ता, कमल जी गर्ग, ज्ञानचंद जी भल्ला, ईश्वर जी गोयल, पंकज जी बंसल, सुमित जी चौधरी, डॉ. मनोज बंसल, सोनू जी बंसल, विजय जी सिंगल, अशोक जी मंगला, प्रवीण जी जिंदल, तरूण जी गुप्ता, फकीर चंद जी गुप्ता और शाखा संयोजक डॉ. विवेक जी गर्ग मौजूद थे। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी ने कहा कि इस केंद्र पर निःशुल्क सेवा 24 घंटे, सातों दिन निर्धन और दिव्यांगजन को उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि 5000 स्क्वायर फीट क्षेत्रफल में निर्मित चार मंजिला सेवा केंद्र में दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग लगाने एवं फिजियोथैरेपी के अलावा सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मोबाईल, कम्प्यूटर और सिलाई ट्रेनिंग भी उपलब्ध होगी। केन्द्र से हर साल 18 हजार से ज्यादा लोग लाभांवित होंगे। संस्थान की कैथल शाखा के सचिव डॉ. अनिल जी जिन्दल व संरक्षक श्री सतपाल जी मंगला ने अतिथियों का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि उद्योगपति श्री त्रिलोकीनाथ जी गोयल ने कहा कि संस्थान अध्यक्ष प्रशांत भैया के सेवा प्रयत्नों से ही केन्द्र बना है। संस्थान हैदराबाद में भी सेवा केन्द्र का संचालन कर रहा है। आभार व्यक्त करते हुए डॉ. विवेक जी गर्ग ने कहा कि समाज के प्रति हम अपनी जिम्मेदारी निभाने का पूरा प्रयास करेंगे। हर जरूरतमंद की आशा, अपेक्षा को पूरा करने में यह केंद्र कोई कमी नहीं रखेगा। समारोह में संस्थान के महागंगोत्री प्रभारी श्री रजत जी गौड़ भी उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय अवॉर्ड -2024

44 सेवा मनीषी हुए सम्मानित

संस्थान का अन्तर्राष्ट्रीय अवॉर्ड समारोह- 2024 सेवामहातीर्थ (उदयपुर) परिसर के डीडवाणिया सभागार में 22 दिसम्बर को सम्पन्न हुआ। जिसमें 44 सेवा मनीषी दानवीरों को समाज एवं दिव्यांगों की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जिनमें दिल्ली, उड़ीसा, हरियाणा,वेस्ट बंगाल और गुजरात सहित देश के विभिन्न भागों के भामाशाह शामिल थे। इनमें से 2 महानुभावों को प्लेटेनियम, 3 को डायमण्ड, 8 को गोल्ड, 34 सेवा मनीषियों को सिल्वर अवॉर्ड से नवाजा गया। अवॉर्ड समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख उद्योगपति श्री त्रिलोकीनाथ जी गुप्ता एवं सत्यनारायण जी गोयल ने संस्थान की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि सेवा धर्म ही सबसे बड़ा है। इस दिशा में नारायण सेवा संस्थान का समर्पण सराहनीय है। समारोह के आरम्भ में संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने अतिथियों व अवॉर्ड प्राप्त करने वाले सेवा मनीषियों का स्वागत करते हुए कहा कि सेवा धर्म का निर्वहन करने वाले महानुभावों को समाज सदैव याद रखेगा। संस्थान अध्यक्ष सेवक श्री प्रशान्त भैया जी ने संस्थान की 40 वर्षीय निःशुल्क सेवा यात्रा पर प्रकाश डालते हुए पूज्य गुरूदेव एवं गुरू माता कमला जी के त्याग, तपस्या और समर्पण का जिक्र किया। समारोह में संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव की सेवा यात्रा को दर्शाने वाला वृत्त-चित्र भी प्रदर्शित किया

गया। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने सर्दियों में ग्रामीण क्षेत्रों में ऊनी वस्त्रों और पोषाहार वितरण की जानकारी दी।

तीन श्रेष्ठ शाखाएं भी पुरस्कृतः कार्यक्रम में संस्थान की तीन शाखाओं को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने वर्ष 2024 में संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पोंमें उल्लेखनीय कार्य किया। इसमें हरियाणा की कैथल शाखा को प्रथम एवं नरवाना शाखा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। जब कि राजस्थान की अलवर शाखा ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। कैथल शाखा के लिए प्रथम पुरस्कार 'भारत सेवा विभूषण' (प्लेटेनियम) शाखा संरक्षक श्री सतपाल जी मंगला ने द्वितीय पुरस्कार अलवर के लिए शाखा संयोजक श्री आर एस वर्मा जी ने 'भारत सेवा विभूषण'(डायमण्ड) तथा तृतीय पुरस्कार नरवाना के लिए शाखा संयोजक श्री राजेंद्र पाल जी गर्ग ने 'भारत सेवा विभूषण' (गोल्ड) प्राप्त किया। ट्रस्टी निदेशक श्री देवेन्द्र जी चौबीसा ने आभार व्यक्त किया। अवॉर्ड वितरण व्यवस्था में वरिष्ठ साधक श्री दिनेश वैष्णव, श्री रजत गौड़, श्री रोहित तिवारी,श्री कुलदीप सिंह शेखावत, श्री मनीष परिहार, श्री राजेंद्र सिंह सोलंकी, श्री गोविन्द सिंह आदि का सहयोग रहा। संयोजन महिम जैन ने किया।

दानवीरों ने किया कृत्रिम अंग वर्कशॉप का अवलोकन

अवॉर्ड प्राप्त सेवा मनीषी

• श्रीमती सुशीला जी अग्रवाल – (प्लैटिनम)	• श्री हंसमुख भाई शाह (डायमंड)
• श्री सुरेंद्र मोहनलाल जी मकाडिया (डायमंड)	• श्रीमती एकता जी सहजपाल (गोल्ड)
• श्रीमती राधा रानी जी (गोल्ड)	• श्री नाथू लाल जी अग्रवाल (गोल्ड)
• श्री नीलेश कुमार जी गुप्ता (गोल्ड)	• श्री. राजीव जी अग्रवाल (गोल्ड)
• डॉ. रामजी लाल गुप्ता/शुभम जी गुप्ता (गोल्ड)	• श्री कमल जी शर्मा (गोल्ड)
• श्री हंसमुख भाई शाह (सिल्वर)	• श्री बटकृष्ण जी अग्रवाल (सिल्वर)
• श्री महेंद्र कुमार जी खरे (सिल्वर)	• श्रीमती सीमा जी मित्रा (सिल्वर)
• श्री अजिर बिहारी शरण जी (सिल्वर)	• श्रीमती आशा जी अग्रवाल (सिल्वर)
• श्रीमती अंजना बाई विठ्ठल राव जी लोनारे (सिल्वर)	• श्रीमती प्रमिला रानी जी (सिल्वर)
• श्रीमती नलिनी बेन रेवा शंकर जी रावल (सिल्वर)	• डॉ. रामचंद्र जी माहेश्वरी (सिल्वर)
• मैसर्स रिद्धी–सिद्धि बुलियंस लिमिटेड (सिल्वर)	• डॉ.गीता जी अरोड़ा (सिल्वर)
• श्रीमती बीना देवी जी माहेश्वरी (सिल्वर)	• श्री रजनीकांत केशवलाल जी शाह (सिल्वर)
• श्रीमती आशा लता पत्नी श्री. राजिंदर कुमार जी सीकरी (सिल्वर)	• मैसर्स बी.के. जैन चौरिटेबल ट्रस्ट (सिल्वर)
• श्री नंद किशोर जी (सिल्वर)	• श्री वीरेंद्र कुमार जी शर्मा (सिल्वर)
• श्री नरेंद्र देव भाई – रमीला बेन एन. पटेल (सिल्वर)	• श्री वकुल जी अग्रवाल (सिल्वर)
• श्रीमती सावित्री किशन लाल जी अग्रवाल (सिल्वर)	• कुमारी प्रतिभा श्रीवास्तव पुत्री स्व. श्री. बी. के. श्रीवास्तव जी (सिल्वर)
• श्री रामबीर जी शर्मा (सिल्वर)	• स्मिता जी पटेल (सिल्वर)
• श्री भरत सिंह जी (सिल्वर)	• श्री रमेश चंद जी अग्रवाल (सिल्वर)
• श्री जितेंदर जी जिंदल (सिल्वर))	• श्रीमती तृप्ता जी कपूर (सिल्वर)
• श्री हरि कृष्ण जी गुप्ता (सिल्वर)	• श्री विजय कुमार जी (सिल्वर)
• श्री पावरा हरखाभाई पासाभाई (सिल्वर)	• श्री अमर सिंह जी रामरति (सिल्वर)
• श्री विकास जी गर्ग (सिल्वर)	• श्री दीनानाथ जी मेहता (सिल्वर)

दिव्यांगों का जीवन सुगम बनाने के लिए विश्वस्तरीय सम्मेलन

नारायण सेवा संस्थान में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर प्रोस्थेटिक्स एण्ड ऑर्थोटिक्स (ISPO) के सहयोग से 13 दिसम्बर को "ग्लोबल पार्टनरशिप एक्स्चेंज (GPEx) समिट" सम्पन्न हुई। समिट संस्थान के उदयपुर बड़ी ग्राम स्थित सेवा महातीर्थ में ऑन लाइन आयोजित हुई, जिसमें संस्थान सहित इटली, स्वीडन, जर्मनी, यूएसए, भारत व बांगलादेश आदि देशों की 10 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने भाग लिया।

समिट में नारायण सेवा संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष सेवक श्री प्रशांत भैया ने संस्थान की सेवा परंपरा और उद्धेश्य को साझा किया। उपाध्यक्ष श्री मनोज बारोट ने 2030 तक वैश्विक स्तर पर 1 लाख दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने की पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी। संस्थान के प्रोस्थेटिक्स एण्ड ओर्थोटिक्स विभाग के प्रमुख डॉ. मानस रंजन साहू ने उन्नत प्रौद्योगिकी और प्रोस्थेटिक्स एण्ड ओर्थोटिक्स के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए जा रहे व्यापक कार्यों को दर्शाया।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स सोसाइटी (ISPO) एक वैश्विक मान्यता प्राप्त संगठन है जो दुनिया भर के पेशेवरों को एक मंच पर लाता है, ताकि दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन में सुधार हो सके। इसका उद्देश्य प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के क्षेत्र में ज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देना है, जिससे दिव्यांगजन का जीवन सुगम हो सके। संस्थान भविष्य में इन प्रयासों को और बढ़ाने, वैश्विक संबंधों को मजबूत करने और विकलांग व्यक्तियों के जीवन में वैश्विक स्तर पर सार्थक प्रभाव बनाने के लिए तत्पर है।

जयपुर में 228 दिव्यांगजन को लगे कृत्रिम अंग

जयपुर के अजमेर रोड स्थित मयूर गार्डन में 5 जनवरी को संस्थान द्वारा आयोजित नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर में 228 दिव्यांगों को अपर-लोवर व मल्टीपल कृत्रिम अंग एवं केलिपर्स निःशुल्क लगाए गए।

शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पर्यटन उपनिदेशक श्री दलीप सिंह राठौड़ एवं युवा उद्यमी श्री विनोद चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस मौके पर श्री राठौड़ ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों को सशक्त ही नहीं कर रहा बल्कि उनके जीवन को सुगम और सार्थक भी बना रहा है। यह समाज एवं मानवमात्र की सेवा में एक बहुत बड़ा योगदान है। श्री चौधरी ने दिव्यांगों को संबोधित करते हुए उन्हें शिविर से लाभांवित होकर अपने पैरों पर चलने की शुभकामनाएं दी।

विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राम प्रकाश जी वैद, हजारीलाल जी अग्रवाल, शशिमोहन जी शर्मा एवं महेश जी घीया ने भी संस्थान के इस मानव कल्याण यज्ञ की सराहना की। फिटमेंट शिविर के लिए नॉर्मेट इंडिया ने कॉरपोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (सीएसआर) के तहत आर्थिक योगदान किया। शिविर में नॉर्मेट इंडिया के वित्त प्रबंधक लोकेश जी वर्मा, एचआर मैनेजर श्रीमती पूजा सिंह एवं उनकी टीम उपस्थित थी।

शिविर के प्रारंभ में संस्थान के ट्रस्टी-निदेशक श्री देवेंद्र जी चौबीसा ने अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि 11 अगस्त, 2024 को जयपुर में कैंप लगाकर 228 दिव्यांगजनों को नारायण लिंब व केलिपर्स लगाने के लिए चयनित किया गया था। इस शिविर में जर्मन तकनीक से बने वजन में हल्के, टिकाऊ, मॉडयूलर एवं उच्च गुणवत्ता वाले नारायण लिम्ब उनके नाप के मुताबिक लगाए गए।

झीनी झीनी रोशनी–68

पहले दिन एक बोरे में कुछ वस्त्र भर कर वहां ले गये। लोगों को जब बताया कि सबको निःशुल्क कपड़े वितरित किये जायेंगे तो देखते ही देखते जमघट हो गया। कैलाश जी ने उन्हें कतार में खड़े होने को कहा। जब सब लोग कतारबद्ध हो गये तो एक-एक कर सभी वस्त्र वितरित कर दिये। कैलाश जी को यह कार्य करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता व संतुष्टि हुई। उन्होंने खाली बोरा झटकते हुए अगले दिन वापस आने को कहा और अपने साथियों के साथ लौट गये। अगले दिन वापस वह बोरा लेकर वहां पहुंचे तो एक लड़के ने उन्हें आते हुए देख लिया। कैलाश जी की भी नजरें उस पर पड़ गई थी, वह एक दिन पूर्व वितरित किये गये कपड़े ही पहने हुए था। थोड़ी ही देर में यह लड़का कपड़े उतार कर नंग-धड़ंग हो गया। कैलाश जी उसे पहचान गए और उनका मन खिन्न हो उठा। उन्होंने लड़के को डांटा कि अभी तो तू कपड़े पहना था, मुझे आता देख कपड़े उतार कर आ गया, यह बात अच्छी नहीं, ऐसा करोगे तो दूसरे लोगों को नहीं मिलेगा। शीघ्र ही सब कपड़े वितरित कर वह लौट गए। एक दिन पूर्व जो प्रसन्नता हुई थी उसका स्थान विषाद ने ले लिया था। उन्होंने अपने मन को समझाने की कोशिश की कि यह मानव स्वभाव है,गरीब हो या अमीर, हर कोई अधिक से अधिक पाना चाहता है, चाहे उसका हकदार हो या न हो, या दूसरों का हक मारा जा रहा हो। इस घटना को भुला अगले तीन-चार दिनों में बीसलपुर से लाये तमाम वस्त्र अलग-अलग क्षेत्रों में बांट दिये। कैलाश जी को काफी खुशी हुई और मन में ललक जाग गई कि ज्यादा कपड़े लाएं और वितरित करें। सेवा और सत्संग कार्यों का क्रम यूं ही चलता रहा, वक्त गुजरता रहा। उदयपुर आये उन्हें 3 वर्ष होने को आ रहे थे। 1982 में उन्हें 3 माह का रिफ्रेशर कोर्स करने जबलपुर भेजा गया। उन दिनों वहां प्रसिद्ध संत स्वामी सत्यमित्रानन्द जी आए हुए थे। पूरे शहर में उनके पोस्टर लगे हुए थे। प्रतिदिन उनके प्रवचन होते थे। कैलाश जी ने स्वामी जी का बहुत नाम सुन रखा था, उनके प्रवचन सुनने की ललक मन में जाग उठी मगर प्रवचन के समय के दौरान ही उन्हें प्रशिक्षण में भी उपस्थित रहना पड़ता था।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर,
L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने
बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लैंडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड
के सामने यादव धर्मशाला के पास,
बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़
रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे,
मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर
कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान
केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली,
हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट
राजीव सिनेमा रोड़,
बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार खेडिया,
9608529923, आजाद नगर
भूलीनगर

मध्य प्रदेश

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन
सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु
हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी,
किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, बाईसराय
पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़
बावन जिनालय मन्दिर के पास,
भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

.....

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807,गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

.....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी
स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद
डेयरी मेन रोड करण विहार
नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी,
अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास,
पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना
चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक
स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई)
जिला-बरेली

.....

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी
बरेली

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

.....

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको
नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

सफल ऑपरेशन
443491

अब तक प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित
46028

संस्थान द्वारा भोजन वितरण
39532281

दिव्यांग एवं निर्धन विवाह जोड़े
2408

नारायण लिम्ब वितरण
35907

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी
1834

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल
ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट
थाने, 401105

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर
जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ.
केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
9257017593,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर
एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393,
म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज,
प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम
पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
फ्लेट नम्बर 202,गुरूकृपा अपार्टमेंट
न्यू श्रीनगर आलमबाग
लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

पंजाब

लुधियाना
07023101153
381/382, बी-17,
गुलाटी डांस क्लास के पास,
भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़-160047

असम

गुवाहाटी
9529920089,मकान नं. 07, भुबन भयं पथ,
सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने, चंद्रमुख
सत्रिया अकादमी के पास, पोस्ट-बामुनी मैदान,
कामरूप मेट्रो, गुवाहाटी (असम) 781009

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
9529920081
म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे
स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड,
वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718,
08588835719, बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 07023101167
सी2/287, 4 फ्लोर, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342
ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास
विकासपुरी 110018

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी
चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान न. 8/153, ई-3,
न्यू लॉयर कॉलोनी,
पानी की टंकी के पीछे,
आगरा (उत्तर प्रदेश)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 8306008208
7/ए कपील कुंज सोसायटी
विजय नगर के पास, मेट्रो स्टेशन
नारंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380016

राजकोट
09529920083, बी-33,
शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर
के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट
360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
8696002432,7023101166,
फ्रेंड कॉलोनी, गली नम्बर 3
करनाल रोड़, हनुमान वाटिका के पास
कैथल (हरियाणा)

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

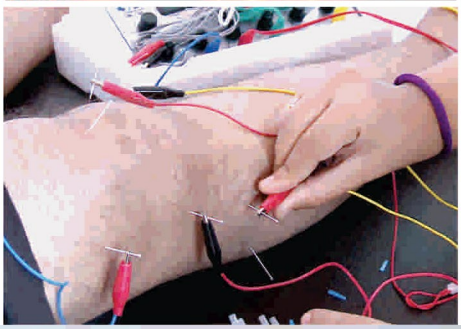

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

झीलों की नगरी के बीच प्राकृतिक चिकित्सा

एक बार अवश्य पधारें

51 बेटियों का
बसेगा संसार

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दिनांक : 8 व 9 फरवरी, 2025

स्थान : सेवा महातीर्थ बड़ी, उदयपुर

कन्यादान (एक दिव्यांग कन्या)
₹ 1,00,000

मायरा सहयोग
₹ 51,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

भोजन सहयोग
₹ 11,000

मेहंदी और हल्दी रस्म
₹ 5,100 (प्रति जोड़ा)

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

Seva Soubhagya Print Date 1 February, 2025 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-